20/6/15

पत्रा. पेश हुई वकील वादी एवं वादी स्वयं अनुपस्थित। वादी एवं वकील वादी को न्यायालय हाजिर होने हेतु बार-2 आवाज लगवाई गई तदुपरांत न्यायालय हाजिर नहीं हुये। वादी एवं वकील वादी को पुनः अवसर प्रदान करते हुये मध्याह्न पश्चात न्यायालय उपस्थित होने हेतु आवाज लगवाई गई तत्पश्चात कोई भी उपस्थित नहीं हुआ अतः दावा वादी अदम हाजिरी अदम पैरवी में इसी स्तर पर खारिज किया जाता है।

पत्रा. फैसल शुमार हो, नंबर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Ganga Dhar Meena
Date: 2025.07.11 17:55:11 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner